

15⁰⁹
पत्र

पत्रवली पेडा हुई। आवाजे लगावानी गई।
 वाह-वाह आवाजे लगावानी जाने से वाकफ
 उभल पास उपस्थित नहीं मिले उनीत होता है
 कि वाह पत्र में उभल पास ही रूपि
 नहीं है। अतः वाह-पत्र इसी स्टेज
 पर आरम होनी एवं आरम पैली में
 उकारित किया जाता है। पत्रवली
 निपति में शुभार होकुल एफव पाठ्य
 साहित्य संस्कार है।



इका 13